कामनापूर्तिकारक

तान्त्रोक्त नारियल

सभी शुभ कार्यों में नारियल का प्रयोग होता ही है, यह आप भली प्रकार जानते हैं। लेकिन जो अद्‌भुत हो, विलक्षण हो, अन्य से अलग हो, वह तांत्रिक वस्तु बन जाती है, क्योंकि उसमें कुछ विशेष गुण होते हैं। इन्हीं विशेष गुणों के पारखी लोग ऐसी वस्तुओं को अपने कार्यों को सिद्ध करने के लिये प्रयोग करते हैं या प्रयोग करवाते हैं।

1. **दुर्भाग्य नाश के लिये-** तांत्रोक्त नारियल को किसी काले कपड़े में सिलकर घर के बाहर बांध दिया जाय तो उस घर पर नजर एवं दुर्भाग्य का प्रभाव नहीं पड़ता।

2. **रोग निवारण के लिये-** जो व्यक्ति प्रायः बीमार रहता है, उस व्यक्ति की अनामिका अंगुली से थोड़ा-सा खून इस नारियल पर छिटक दिया जाय और उस नारियल को अग्नि में जला दिया जाय तो उस व्यक्ति का रोग भी अग्नि में भस्म हो जाता है, ऐसी मान्यता है।

3. **विपत्ति नाश के लिये-** दीपावली की रात्रि में सात फिट काला धागा लेकर इस नारियल के ऊपर पूरा लपेट लें। किसी लाल कपड़े में, लाल रुमाल में लपेट कर घर के सभी सदस्यों के ऊपर से 7 बार वार कर (7 बार घुमा कर) किसी तालाब में विसर्जित कर आयें। इससे घर के सभी सदस्यों के ऊपर किसी भी प्रकार की विपदा होगी तो उसका नाश हो जायेगा। यह ग्रामीण तांत्रिक प्रयोग है, जो आज भी ग्रामीण स्त्रियों द्वारा किया जाता है।

4. **शत्रु नाश के लिये-** यदि आपका कोई शत्रु है और आप उससे अपना पिंड छुड़ाना चाहते हैं तो यह प्रयोग भी उसमें सहायक हो सकता है। 3 तात्रोंक्त नारियल लेकर उसे काजल से काला कर दें। अब तेल और सिन्दूर को मिलाकर गाढ़ा लेप बना लें अथवा किसी हनुमान मंदिर से ले आयें। इस लेप से तीनों नारियल पर अपने शत्रु के नाम का पहला अक्षर लिखें। अब तीनों नारियलों पर पूजा का रंगीन धागा जिसे मौली, कलावा, नाड़ाछड़ी कहते हैं, उस पर पूरा लपेट दें, जिससे नीचे का कालापन न दिखने पाये। दीपावली मुहूर्त से पूर्व इस मंत्र की (ॐ नमो भगवते शत्रुणां बुद्धि स्तम्भनं कुरु-कुरु स्वाहा) एक माला जप कर नारियल को हाथ में लेते जाये और एक बार मंत्र को पढ़ कर किसी नदी, तालाब या सरोवर में विसर्जित कर आयें और पीछे मुड़कर न देखें। इससे आप शत्रुओं की पीड़ा से मुक्त होंगे। यह प्रयोग जो स्त्रियाँ सौतन आदि से परेशान हैं वे भी कर सकती हैं।

5. **पुत्र प्राप्ति के लिये-** यदि कोई दम्पत्ति पुत्र प्राप्ति की इच्छा रखता है तो दीपावली के 9 दिन तक 11 तांत्रोक्त नारियल लेकर उस पर "ॐ श्रीं पुत्र लक्ष्म्यै नमः" मंत्र की एक माला नित्य जप कर दुर्गानवमी को ही किसी तालाब में विसर्जित कर दें तो घर में अवश्य ही पुत्र उत्पन्न होगा तथा घर में सुख-शान्ति बनी रहती है।

6. **विवाह बाधा निवारण के लिये-** यदि किसी भी सोमवार को 5 तांत्रोक्त नारियल लेकर कोई कुमारी कन्या "ॐ श्रीं वर प्रदाय श्री नमः" मंत्र की पाँच माला जपकर एक-एक नारियल भगवान शिव को समर्पित करें और फिर वह लघु नारियल किसी शिव मंदिर में चढ़ा दे तो उसके विवाह में आने वाली बाधायें समाप्त होती है।

7. **कार्य सिद्धि के लिये-** यदि आप किसी विशेष कार्य के लिये जैसे नौकरी, इन्टरव्यू, शादी-विवाह आदि के कार्य के लिये जा रहे हैं तो इस नारियल पर कुंकुम का तिलक कर साक्षात् रिद्धि-सिद्धि विनायक मानकर अपने साथ ले जायें। कार्य सिद्ध होने पर उचित दक्षिणा के साथ गणेश मंदिर में अर्पित कर दें।

8. **रिद्धि-सिद्धि के लिये-** यदि आपके घर में सभी प्रयासों के बाद भी आर्थिक सम्पन्नता नहीं आ पा रही है तो आप इन 11 तांत्रिक नारियलों को दीपावली के दिन सभी पर कुंकुम से "गं" अंकित कर किसी ताम्र पात्र में (तांबे के लोटे में) डाल दें। साथ ही यदि चाँदी का सिक्का डाल सकें तो और भी श्रेष्ठ है अथवा प्रचलित मुद्रा का सिक्का डाल दें। दीपावली के दूसरे दिन तक आप जो भी पाठ-पूजा करें, इस लोटे पर भी कुंकुम, अक्षत, पुष्प आदि अर्पित करें। दीपावली के तीसरे दिन किसी भी कुएँ, तालाब, में घर के सभी सदस्यों के हाथ लगाकर विसर्जित कर दें। इससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

9. **शनि की साढ़ेसाती निवारण के लिये-** यदि आप शनि की साढ़ेसाती अथवा ढैय्या से परेशान हैं तो किसी भी शनिवार को एक कटोरी तेल भरकर उसमें यह तांत्रोक्त नारियल डाल दें, उस तेल में अपना मुँह देखकर शनिश्चर का दान लेने वाले को दान कर दें। ऐसा 11 शनिवार करें तो शनि का प्रभाव बहुत कम होगा।

10. **गृह-कलह से शांति के लिये-** यदि आप घर में रोज-रोज के लड़ाई-झगड़े से परेशान रहते हैं, घर का वातावरण प्रायः क्लेशपूर्ण रहता हो तो यह उपाय करके देखें। 9 तांत्रोक्त नारियल लें। उस पर काला धागा लपेट लें। सारा दिन उसे पूजा स्थान पर रहने दें। सांयकाल आप उसे धागे सहित जला दें। दीपावली के पांच दिन धनतेरस से भाई दूज तक निरन्तर यह प्रयोग करें। विश्वास माने आपके घर में अमन-चैन का वातावरण दिखाई देगा। प्रति तांत्रोक्त नारियल न्यौछावर- 51/-